

1.2.24 वकील वादी अनुपरिधत । वादी स्वयं
अनुपरिधत । बार-बार भावाज लगावार्
गई लेकिन वादी असालतर् । वकालत
हाजिर नही भाने से पगवकी को
वर्तमान स्तर पर अडम परकी । इस
हाजरी में खारिज किया गया है ।

पगवकी नम्बर से कम की जाकर
बाद तकमील शरिवल पफलत हो ।

(स्वामि गुला)

अखण्ड अधिकारी एवं
पटन सहायक कलेक्टर
दिल्ली

